

# ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-8 जुलाई-II, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू 8.00



## विश्व शांति का एकमात्र आधार राजयोग



**दिल्ली। कार्यक्रम के प्रति सबकी शुभ आशाएँ :**  
मन के चलने की गति को नियंत्रित कर उसपर स्वामित्व प्राप्त करने को ही ध्यान कहा जाता है। योग के आठ सूत्रों में अंत में समाधि है, जो वास्तव में राजयोग ही है और वो ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा ही सिखाया जाता है।  
- डॉ. एच.आर. नागेन्द्र।  
योग सरल शब्दों में परमात्मा की प्यार भरी याद है, जिसमें परमात्मा के गुण एवं शक्तियाँ समायी हुई होती हैं। इससे हमारा मन बिल्कुल शांत हो जाता है।  
- दादी हृदयमोहिनी।

योग का सम्बन्ध धर्म विशेष से न होकर हमारी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास करने की विधि से है। - ई.आई. मालेकर, यहूदी समाज।  
योग का सम्बन्ध संतुलन और अनुशासन से है, जिसे हम अपने जीवन में लाते हैं, तभी शांति स्थापित हो सकती है। - डॉ. ए.के. मर्वेन्ट, नेशनल ट्रस्टी बहाई धर्म।  
जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए योग आवश्यक है।  
- लामा लोबजंग, बौद्ध धर्म।  
योग अर्थात् खुद का खुदा से सम्बन्ध

जुड़ेगा तथा समाज व जीवन में अनुशासन व संतुलन स्थापित होगा। - डॉ. एम.डी. थॉमस।

**लाल किला मैदान में विश्व शांति हेतु सहज राजयोग कार्यक्रम का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में किया गया। जिसमें लगभग 40,000 लोगों ने स्वेच्छा से भाग लिया।**

- ◆ इस योग कार्यक्रम की अध्यक्ष ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी जी थीं।
- ◆ मुख्य अतिथि के रूप में विवेकानंद योग संस्थान के अध्यक्ष डॉ. एच.आर. नागेन्द्र उपस्थित थे।
- ◆ विभिन्न धर्मों के लीडर्स इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शोभायमान थे।

आवश्यक है। जीवन में चिंताओं से मुक्ति का एकमात्र साधन योग है। - सरिता जी महाराज, जैन साध्वी।  
योग का सरल अर्थ है दो चीज़ों का मिलन, और गीता में भी आत्मा और परमात्मा से मिलन को ही योग का नाम दिया जाता है। योग वैश्विक चीज़ है जिसका किसी धर्म विशेष से कोई मतलब नहीं है। यही एकमात्र पद्धति है जिससे विश्व में शांति स्थापित हो सकती है। - ब्र.कु. वृजमोहन, प्रधान सचिव, ब्रह्माकुमारीज़। साथ ही ब्र.कु. आशा ने शुभ संकल्पों का प्रयोग करते हुए राजयोग का अभ्यास कराया।

## इंडिया गेट पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मिनी मैराथन

**मैराथन के प्रति सबके सम्बोधन...**  
योग न केवल मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करता है, अपितु समाज में शांति, अमन और सद्भावना का वातावरण भी विकसित करता है। - श्री बंडारू दत्तात्रय, केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री।  
अनुशासन व कड़ी मेहनत से किसी भी खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आंतरिक शक्ति की क्षमता विकसित कर अपनी कुशलता को बढ़ाया जा सकता है। ब्रह्माकुमारी

संस्था खेलों के माध्यम से एक-दूसरे को प्यार बांटना सिखा रही है। भविष्य में ऐसे और भी कार्यक्रम होने चाहिए। - पद्मश्री मिलखा सिंह।  
योग का मतलब राजयोग है जिसका अर्थ सकारात्मक एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित कर एक स्वस्थ जीवनशैली बनाना है। इसको कहीं भी, किसी भी तरीके से, उठते-बैठते, चलते हुए भी किया जा सकता है। - दादी हृदयमोहिनी।  
योग न केवल चित्त वृत्ति को शांत और

नियंत्रित करता है अपितु सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास भी करता है। - राजीव गुप्ता, सचिव, केन्द्रीय युवा और खेल मंत्रालय।



- ◆ योग रन फॉर पीस एंड यूनिटी में नेहरू युवा केन्द्र, नेशनल सर्विस स्कीम, भारत स्काउट एंड गाइड्स, पतंजलि योग पीठ, लायंस क्लब तथा ब्रह्माकुमारीज़ के लगभग 5000 से अधिक युवाओं ने लिया भाग।
- ◆ पद्मश्री मिलखा सिंह ने इस मैराथन का झण्डा हिलाकर

किया शुभारंभ।  
◆ केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रय तथा केन्द्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय सचिव भी थे इसमें शामिल।  
◆ 5 किलोमीटर का मैराथन इंडिया गेट राजपथ से शुरू होकर रफी मार्ग होते हुए पुनः इंडिया गेट पर हुआ सम्पन्न।